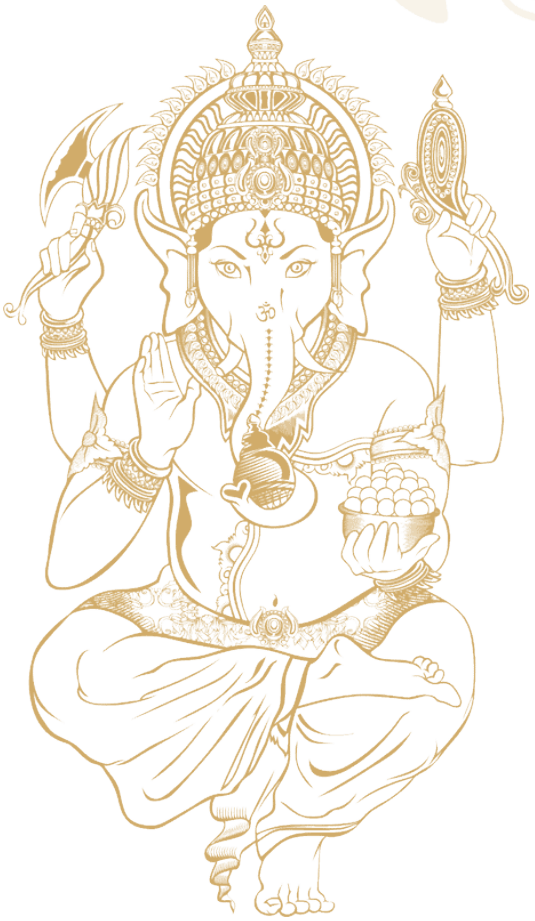

Mr.

10 Apr 2010

12:37 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121041802

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**10/04/2010**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**12:37:00 घंटे**
इष्ट	16:28:18 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	12:15:52 घंटे
वेलान्तर	-00:01:23 घंटे
साम्पातिक काल	01:29:30 घंटे
सूर्योदय	06:01:40 घंटे
सूर्यास्त	18:43:51 घंटे
दिनमान	12:42:11 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	26:18:24 मीन
लग्न के अंश	07:29:43 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**शतभिषा - 1**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	शुभ
करण	कौलव
गण	राक्षस
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	गो-गोपाल
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	07:29:43	306:58:54	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	केतु	---
सूर्य			मीन	26:18:24	00:58:56	रेवती	3	27	गुरु	बुध	गुरु	मित्र राशि
चंद्र			कुंभ	08:37:49	11:53:44	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	सम राशि
मंगल			कर्क	11:11:40	00:17:29	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	चंद्र	नीच राशि
बुध			मेष	15:22:02	00:49:56	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	शुक्र	सम राशि
गुरु			कुंभ	25:21:37	00:13:27	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	सम राशि
शुक्र			मेष	17:45:33	01:13:38	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	मंगल	सम राशि
शनि	व		कन्या	05:48:51	00:04:16	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	बुध	मित्र राशि
राहु	व		धनु	22:22:12	00:07:12	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	नीच राशि
केतु	व		मिथु	22:22:12	00:07:12	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	नीच राशि
हर्ष			मीन	03:54:47	00:03:14	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	---
नेप			कुंभ	03:59:53	00:01:34	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	शुक्र	---
प्लूटो	व		धनु	11:24:46	00:00:06	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	---
दशम भाव			मेष	00:09:53	--	अश्विनी	--	1	मंगल	केतु	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:00:18

लग्न-चलित

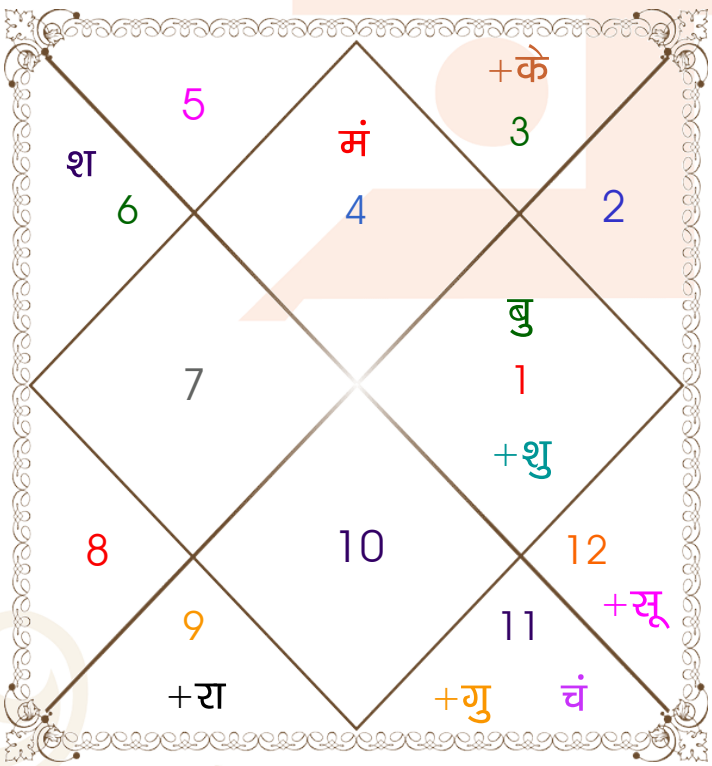

चन्द्र कुंडली

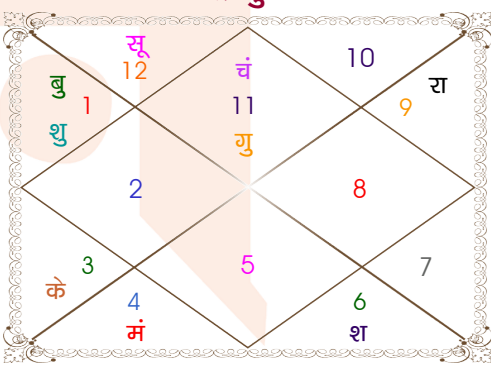

नवमांश कुंडली

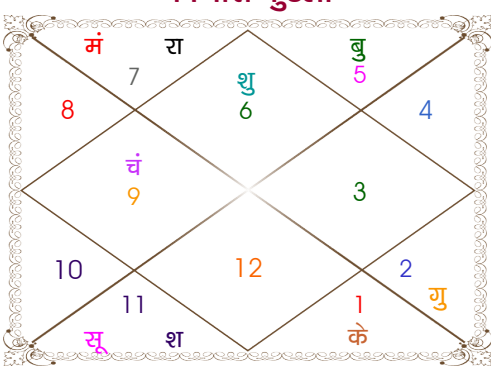

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 15 वर्ष 4 मास 5 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
10/04/2010		15/08/2025		15/08/2041		15/08/2060		15/08/2077	
15/08/2025		15/08/2041		15/08/2060		15/08/2077		15/08/2084	
राहु	28/04/2010	गुरु	03/10/2027	शनि	18/08/2044	बुध	12/01/2063	केतु	11/01/2078
गुरु	21/09/2012	शनि	16/04/2030	बुध	28/04/2047	केतु	09/01/2064	शुक्र	13/03/2079
शनि	28/07/2015	बुध	22/07/2032	केतु	06/06/2048	शुक्र	09/11/2066	सूर्य	19/07/2079
बुध	14/02/2018	केतु	28/06/2033	शुक्र	07/08/2051	सूर्य	15/09/2067	चंद्र	17/02/2080
केतु	04/03/2019	शुक्र	27/02/2036	सूर्य	19/07/2052	चंद्र	14/02/2069	मंगल	16/07/2080
शुक्र	04/03/2022	सूर्य	15/12/2036	चंद्र	17/02/2054	मंगल	11/02/2070	राहु	03/08/2081
सूर्य	27/01/2023	चंद्र	16/04/2038	मंगल	29/03/2055	राहु	30/08/2072	गुरु	10/07/2082
चंद्र	28/07/2024	मंगल	23/03/2039	राहु	02/02/2058	गुरु	06/12/2074	शनि	19/08/2083
मंगल	15/08/2025	राहु	15/08/2041	गुरु	15/08/2060	शनि	15/08/2077	बुध	15/08/2084

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
15/08/2084		16/08/2104		16/08/2110		16/08/2120		17/08/2127	
16/08/2104		16/08/2110		16/08/2120		17/08/2127		00/00/0000	
शुक्र	15/12/2087	सूर्य	04/12/2104	चंद्र	17/06/2111	मंगल	12/01/2121	राहु	11/04/2130
सूर्य	15/12/2088	चंद्र	04/06/2105	मंगल	16/01/2112	राहु	31/01/2122		00/00/0000
चंद्र	15/08/2090	मंगल	10/10/2105	राहु	17/07/2113	गुरु	07/01/2123		00/00/0000
मंगल	16/10/2091	राहु	04/09/2106	गुरु	16/11/2114	शनि	15/02/2124		00/00/0000
राहु	15/10/2094	गुरु	23/06/2107	शनि	16/06/2116	बुध	12/02/2125		00/00/0000
गुरु	15/06/2097	शनि	04/06/2108	बुध	16/11/2117	केतु	11/07/2125		00/00/0000
शनि	16/08/2100	बुध	10/04/2109	केतु	17/06/2118	शुक्र	10/09/2126		00/00/0000
बुध	17/06/2103	केतु	16/08/2109	शुक्र	15/02/2120	सूर्य	16/01/2127		00/00/0000
केतु	16/08/2104	शुक्र	16/08/2110	सूर्य	16/08/2120	चंद्र	17/08/2127		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 15 वर्ष 4 मा 1 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुष्यनक्षत्र के द्वितीय चरण में कर्क लग्नोदयकाल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर कर्क लग्न के साथ-साथ कन्या का नवांश एवं कर्क राशि का द्रेष्काण का भी उदय हुआ था। इस जन्म की आकृति से यह स्पष्ट होता है कि आपका जीवन आशानुरूप फलदायी होगा।

आप विश्वासी विलक्षण बुद्धि के कठिन परिश्रमी एवं दृढ़निश्चयी प्राणी है। आप निःसन्देह धन प्राप्ति के आकांक्षी हैं। परन्तु इसका अर्थ नहीं कि आप विश्वशघाती हैं। क्योंकि आप कभी भी किसी के साथ धोखा धड़ी अथवा कपटपूर्ण व्यवहार नहीं करेगें। आप मनोयोग पूर्वक, कठिन श्रम करके यथेष्ठ धन सम्पत्ति उपार्जित करेंगे। आप आर्थिक रूप से श्रेष्ठ सौभाग्यशाली हैं। आप सदैव (एक समान) यात्रा करके अनेक तीर्थस्थल का परिदर्शन करेंगे। आप आस्तिक हैं तथा आपको पूर्ण विश्वास है कि ईश्वर सर्वशक्तिमान है। आप धर्म ग्रन्थों का अध्ययन कर धर्म के सम्बंध में पूर्ण ज्ञान प्राप्त कर सार्वजनिक सेवक के रूप में प्रस्तुत रह कर, सेवा कर्म करेंगे।

आप पूर्णरूपेण आश्वस्त हैं कि आप धर्म मार्ग पर चलकर, विश्व में सफलता प्राप्त करेंगे। आप 36 वें वर्ष से बहुत बड़े भाग्यशाली होंगे।

आप गौरवर्ण के लम्बे दीर्घकाय प्राणी होंगे। आपके शरीर का उपरी भाग निचले भाग की अपेक्षा बहुत उन्नत एवं प्रभावशाली होगा। आपकी आकृति (स्वरूप) विस्तृत बड़ा मुँह, सुन्दर दाँतों से परिपूर्ण होगा।

बल्कि आपके जीवन के प्रारम्भ में कुछ दिनों तक आप शारीरिक रूप से सर्वोत्कृष्ट हो जाएंगे। परन्तु जीवन में एक लघु व्यवधान विद्यमान रहेगा। क्योंकि आपका क्षणिक उद्वेग एवं तनावपूर्ण मानस संभवतः हिस्टिरिया, मूर्छा एवं बेहोशीपन रोग को आमंत्रित कर सकता है। इसके विरूद्ध गम्भीर रूप से आपको सतर्कता बरतनी होगी। इसके अतिरिक्त आपको खान-पान पर भी नियंत्रण रखना पड़ेगा। क्योंकि आप अधिक भोजन करने वाले पेटू प्राणी हैं। आपको हर दशा में मध्यपान के उपयोग एवं लालच से बचना होगा।

आपका मैत्री का क्षेत्र विस्तृत होगा। वे लोग आपका सामान्य प्रतिभात्मक मनोवृत्ति के अनुरागी अर्थात् प्रशंसक होंगे। वे लोग हर दशा में आपको सहयोग एवं समर्थन प्रदान कर, आपके सुन्दर जीवन के प्रति शुभकांक्षी रहेंगे।

आप में बहुत सुन्दर गुण विद्यमान है अर्थात् विश्वसनीय, सतर्क तत्पर एवं कर्मठ कार्य कर्त्ता हैं। आप अविश्वसनीयता को त्याग कर लोगों के साथ अच्छा व्यवहार करेंगे। ऐसा संभव है कि आप आंशिक परिवर्तित होकर उत्तम मार्ग के अनुगामी होंगे।

आप अपनी पत्नी के प्रति पूर्णतः समर्पित व्यक्ति है। परन्तु आप परिवार नियोजन में विश्वास नहीं करते हैं। आप निःसन्देह अपनी पत्नी से प्यार करते हैं। परन्तु आप घरेलू मामलों में कोई हस्तक्षेप करना नहीं चाहते ताकि अपनी पत्नी के साथ कोई गलती न हो जाए।

आपके लिए उत्तम तो यह है कि आप उत्तेजनात्मक प्रवृति का परित्याग कर दें। अन्यथा परिणाम स्वरूप घर परिवार में अनुपयुक्त वैमनस्यता हो सकता है। यदि आपको अपनी पत्नी के सम्बंध में विचार करना हो तो यह देखें कि उसका जन्म लग्न या राशि वृश्चिक या मीन हो तो समझ ले कि आप उस लड़की के साथ सामंजस्य स्थापित कर सकते हैं।

सामन्यतया कर्क राशि प्राणी की प्रवृति एवं कार्यकलाप व्यवसायिक होती है। इनके लिए व्यवहारणीय पेशा वृत्ति नौसेना, जहाजरानी कार्य, सिंचाई, नहर एवं पुल निर्माण विभाग आदि अनुकूल होते हैं। ये स्वनिर्मित आत्मावलम्बी प्राणी होते हैं। यदि ये चाहें तो अपनी प्रतिष्ठा का विस्तार कर विश्वसनीय मंत्री या एक प्रशासनिक पदाधिकारी तक हो सकते हैं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आपके लिए क्रीम, श्वेत, पीत एवं लाल रंग का व्यवहार उत्तम है परन्तु, हरा एवं ब्लू रंग सर्वथा त्यागनीय है। आपके लिए अंक 4 एवं 6 अंक अनुकूल है जबकि अंक 3 एवं 5 अंक अनुपयुक्त हैं।